दैनिक भास्कर

TATA का नकली नमक बेचने पर FIR:भिंड में बिक रहा था टाटा का नकली नमक, मालनपुर में 106 KG के पैकेट पकड़े

भिंड में टाटा नमक जैसा दिखने वाला नकली नमक बाजार में सस्ते दामों में बिक रहा है। यह ग्वालियर से सप्लाई होता है जोकि भिंड जिले के हर छोटे बाजार में आसानी से मिल रहा था। मालनपुर पुलिस ने एक किराना कारोबारी पर से 1-1kG के 106 पैकेट पकड़ लिए। पुलिस ने नकली माल बेचने के आरोप में किराना दुकानदार पर FIR दर्ज की।

मालनपुर थाना प्रभारी विनोद कुशवाह के मुताबिक टाटा कंपनी की ओर से सूचना मिली कि मालनपुर में बड़ी तादाद में टाटा कंपनी का नकली माल खफाया जा रहा है। यहां से पूरे जिले में कारोबार चल रहा है। यह माल ग्वालियर से आता है। जिसकी असली कीमत 2 से 3 रुपए होती है जो कि ग्राहक को टाटा नमक से (असली कीमत-20) आधे दाम यानी 10 रुपए बेचा जा रहा है। हर पैकेट पर दुकानदार को सीधा सात से आठ रुपए मुनाफा हो रहा। इस तरह से सीधे तौर पर दुकानदार, नकली प्रोडेक्ट बेचकर ग्राहक से धोखा कर रहा है। यह सूचना पर जब मालनपुर थाना पुलिस ने टाटा कंपनी के कर्मचारियों के साथ छापामार कार्रवाई की तो पुलिस भी भ्रमित हो गई। हू ब हू टाटा कंपनी के असली की तरह दिखने वाला बाजार में नकली माल बड़ी तादाद में पकड़ा। पुलिस ने सब्जी मंडी मालनपुर में सोनू किराना स्टोर पर कार्रवाई कर नकली टाटा नमक के एक-एक किलो के 106 पैकेट बरामद किए। पुलिस ने किराना स्टोर संचालक सोनू पुत्र सुरेश जैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

दुकानदार 15 और 20 में भी बेच देते पैकेट

ग्वालियर के रास्ते भिंड में खफाया जाने वाला टाटा के असली नमक की मांग दिनोंदिन कंपनी में घटती जा रही थी। भिंड के लहार, मिहोना, दबोह, आलमपुर, फूप, मेहगांव, भिंड और अटेर में भी नकली नमक बेचा जा रहा है। यहां ग्राहक टाटा का नमक मांगते है तो किराना दुकानदार सीधे तौर पर निकली नमक के पैकेट थमा रहे है। कुछ स्थान पर यह नमक 10 रुपए का बेचा जा रहा है तो कई दुकान असली बताकर बेच रहे है जिसकी कीमत 15 से 20 रुपए तक वसूल रहे है।

ऐसे करें असली-नकली की पहचान

मालनपुर पुलिस ने जब टाटा के नकली नमक को देख कुछ छड़ के लिए भ्रमित हो गई। पुलिस भी निकली नमक को असली मान बैठी। तभी कार्रवाई के दौरान माैजूद कंपनी के कर्मचारियों ने असली और निकली में भेद दिखाया।

- नकली नमक के पैकेट पर बार कोड नहीं होता है। जबकि असली नमक के हर पैकेट पर दर्ज होता है।
- नकली नमक के पैकेट पर कंपनी का बैच नंबर अंकित नहीं होता है। जबकि टाटा के असली नमक के पैकेट पर बैच नंबर दर्ज किया जाता है।
- नकली नमक की पैकेट की पॉलिथिन पतली होती है। जबकि असली पैकेट की पॉलीथिन सख्त और ज्यादा पारदर्शी दिखती है।
- नकली नमक और असली नमक दोनों को हाथ में लेने से साफ अंतर देखा जा सकता है।

Source: https://www.bhaskar.com/local/mp/bhind/news/bhind-tatas-fake-salt-was-being-sold-in-bhind-holding-106-kg-packets-in-malanpur-129211211.html